

वो मंजर किसी को न देखना पड़े...

पहलगाम हमले का दर्दनाक मंजर

एजेंसी | पहलगाम

22 अप्रैल को बैसारन घाटी में हुए आतंकी हमले ने कई जिंदगियां उजाड़ दीं। इस हमले में 26 पर्यटकों समेत एक स्थानीय पोनीवाला की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हुए। इस भयावह घटना के चरमदीद और मदद के लिए सबसे पहले पहुंचने वालों में अब्दुल वहीद बानी भी शामिल थे, जो आज भी उस दिन की यादों से उबर नहीं पाए हैं।

■ **हर तरफ लाशें और चीखें**

अब्दुल वहीद वानी, जो पहलगाम की एक बड़ी पोनीवालाह एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं, उनको पुलिस से कॉल मिला कि बैसारन में कुछ गंभीर हुआ है। वह तुरंत शॉटकट रास्ते से वहां पहुंचे पुलिस से भी पहले। उन्होंने बताया, “वहां पहुंचे तो एक महिला रो रही थी, बच्चा रो रहा था चारों तरफ लाशें बिखरी थीं। एक पल के लिए लगा कि मैं खुद को संभाल नहीं पाऊंगा।”

■ **घायलों को बचाने की कोशिश**

वानी और उनके साथियों ने मौके पर पहुंचकर घायलों की मदद शुरू की। दुकानों से पानी लाकर पीड़ितों को दिया। वाट्सऐप ग्रुप में 700 पोनीवालों को मदद के लिए बुलाया। करीब 15 लोग ही मौके तक पहुंच पाए।

उन्होंने कहा, “इलाका बड़ा था और लाशें अलग-अलग जगह पड़ी थीं। उन्हें इकट्ठा करने में समय लगा ये



सामान्य मौतें नहीं थीं, ज्यादातर को सिर में गोली मारी गई थी।”

■ **मैं अकेली कहां जाऊं?**

वानी के मुताबिक, उस दिन कई दिल दहला देने वाले पल सामने आए। एक महिला अपने पति को छोड़कर जाने को तैयार नहीं थी। वह बार-बार कह रही थी,

“हम बस घूम रहे थे, तस्वीरें ले रहे थे अब मैं अकेली कहां जाऊं?”

मौत के बीच मिली जिंदगी

मलबे और लाशों के बीच एक घायल व्यक्ति जिंदा मिला। वानी बताते हैं, “जब हमने उसे छुआ,

तो वह बोला उसकी गर्दन और हाथ में गोली लगी थी। उसकी आवाज आज भी मेरे कानों में गूंजती है।”

घायलों को नीचे लाने के लिए लोगों ने कंधों और चारपाई का सहारा लिया। एक व्यक्ति की जान बचाने में वे सफल भी रहे। हमले के बाद से वानी उन भयावह यादों से जूझ रहे हैं। वह कहते हैं, “जो मैंने देखा, मैं दुआ करता हूं कि किसी को न देखना पड़े ये यादें अक्सर लौट आती हैं, दिन में भी और रात में भी।”



भारत में ‘डॉक्टरों की कमी’ : नीति निर्माता डॉक्टरों की संख्या से आगे बढ़ व्यापक दृष्टिकोण अपनाएं

कहानी सार्वजनिक स्वास्थ्य की अनदेखी को छिपा रही है : किरण कुंभार

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

भारत में स्वास्थ्य नीति को लेकर एक बड़ी सोच की कमी सामने आती है, जिसमें बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को सीधे डॉक्टरों की संख्या से जोड़कर देखा जाता है। 2025 में भारत में तेजी से बढ़ते मेडिकल कॉलेजों पर शोध करते समय एक चौंकाने वाली बात सामने आई—देश की मेडिकल शिक्षा नीति एक ऐसे विश्व स्वास्थ्य संगठन मानक पर आधारित रही है, जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं है। यह तथ्यांकित “1:1000 डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात” लंबे समय से नीति निर्माण का आधार बना हुआ है।

इस “काल्पनिक मानक” के आधार पर डॉक्टरों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में भारी वृद्धि की गई, फिर भी नीति निर्माता आज भी यह दावा करते हैं कि भारत में डॉक्टरों की कमी है। यह स्थिति एक तरह की “नीतिगत भूल” को दर्शाती है, क्योंकि पहले यही माना जाता था कि देश में डॉक्टरों की संख्या पर्याप्त है। बदलता विमर्श 2000 में AIIMS

विशेषज्ञों ने कहा था कि भारत में डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात जरूरत से ज्यादा है। 2005 की सरकारी रिपोर्ट में भी डॉक्टरों की संख्या को “कम नहीं” बताया गया। लेकिन 2012 तक आते-आते यही विमर्श बदलकर “गंभीर कमी” में बदल गया, जो एक बड़ा यू-टर्न है।

■ **समस्या सिर्फ डॉक्टरों की संख्या नहीं** – भारत के स्वास्थ्य सूचकांक अभी भी वैश्विक औसत से पीछे हैं और असमानता भी काफी ज्यादा है। ऐसे में “डॉक्टर ज्यादा हैं” कहना संवेदनशील मुद्दा हो सकता है, लेकिन असल समस्या इससे कहीं बड़ी है। स्वास्थ्य परिणाम केवल डॉक्टरों की संख्या पर निर्भर नहीं करते। इसमें कई अन्य कारक महत्वपूर्ण हैं:

■ **नर्स, दाइयों और सामुदायिक सेहत वर्कर्स की भूमिका डॉक्टरों का भौगोलिक वितरण**

स्वास्थ्य सेवाओं की संरचना और इंफ्रास्ट्रक्चर पोषण, स्वच्छ पानी और स्वच्छता जैसी सामाजिक स्थितियां इसलिए “ज्यादा डॉक्टर” का मतलब यह भी हो सकता है कि

संसाधन एक ही क्षेत्र में अधिक लग रहे हैं, जबकि अन्य जरूरी क्षेत्रों की अनदेखी हो रही है।

■ **“डॉक्टर एनॉमली” का सवाल**

20वीं सदी में कुछ शोषों में यह पाया गया कि विकसित देशों में डॉक्टरों की संख्या बढ़ने के बावजूद मृत्यु दर में सुधार नहीं हुआ। इसे “डॉक्टर एनॉमली” कहा गया। कुछ अध्ययनों ने यह भी कहा कि एक सीमा के बाद डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने से स्वास्थ्य परिणामों पर कोई खास असर नहीं पड़ता। भारत में पुराना दृष्टिकोण 1960-70 के दशक में भारत ने यह समझना शुरू कर दिया था कि केवल डॉक्टरों पर निर्भर रहना सही नहीं है। 1977 में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता योजना इसी सोच का परिणाम थी, हालांकि इसका डॉक्टर संगठनों ने विरोध किया। एक विशेषज्ञ समिति ने यह तक कहा था कि भारत में जरूरत से ज्यादा डॉक्टर हो सकते हैं। 1990 के दशक तक भी कुछ विशेषज्ञों का मानना था कि डॉक्टरों की आपूर्ति आवश्यकता से अधिक है।

■ **‘आदर्श संख्या’ का कोई तय मानक नहीं**

डॉक्टरों की “सही संख्या” तय करने का कोई वैश्विक फार्मूला नहीं है। WHO का जो वास्तविक मानक है, वह डॉक्टर, नर्स और दाइयों की संयुक्त संख्या (49 प्रति 10,000) पर आधारित है न कि सिर्फ डॉक्टरों पर। भारत में जटिल स्थिति भारत में स्थिति और जटिल है क्योंकि AYUSH डॉक्टर बड़ी संख्या में मौजूद हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अनौपचारिक चिकित्सक (RMPs) भी सक्रिय हैं यदि AYUSH डॉक्टरों के शामिल किया जाए, तो भारत 2007 में ही 1:1000 का अनुपात हासिल कर चुका था। 2022 में भी सरकार ने इसी आधार पर लक्ष्य प्राप्ति की घोषणा की। 2026 तक यह अनुपात 1:811 बताया जा रहा है—जो “कमी” की धारणा को कमजोर करता है।

असली समस्या क्या है?

विशेषज्ञों का मानना है कि डॉक्टरों की कमी से ज्यादा बड़ी समस्या उनका असमान वितरण है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी

है। सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे की उपेक्षा हो रही है। चिंताजनक स्थिति पिछले एक दशक में मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ी है: **2013-14 में 387 कॉलेज, 2024-25 में 780 कॉलेज** लेकिन इसके साथ योग्य शिक्षकों की कमी। इंफ्रास्ट्रक्चर का दबाव प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर सवाल। आज जरूरत है कि नीति निर्माता डॉक्टरों की संख्या से आगे बढ़कर व्यापक दृष्टिकोण अपनाएं। संभव है कि भारत में डॉक्टरों की कमी नहीं, बल्कि कुछ क्षेत्रों में अधिकता हो। इसलिए भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों में यह जरूरी है कि संसाधनों का संतुलित उपयोग हो। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाए और स्वास्थ्य के सामाजिक कारकों पर ध्यान दिया जाए।

(यह लेख पहले पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर द एडवांस्ड स्टडी ऑफ इंडिया के प्रकाशन इंडिया इन ट्रांजिशन में प्रकाशित हुआ था। **किरण कुंभार** CASI पोस्टडॉक्टरेल रिसर्च फेलो हैं।)

गर्मी का असर : नींबू ने तोड़ा रिकॉर्ड

30 से सीधे 280 रुपए किलो पहुंचा भाव

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

बीषण गर्मी, लू और बढ़ते तापमान के बीच नींबू की कीमतों ने आम आदमी को झटका दे दिया है। सर्दियों में 25-30 रुपए प्रति किलो बिकने वाला नींबू अब बहादुर के रोड स्थित नई सब्जी मंडी में रितेल में 280 रुपए प्रति किलो तक पहुँच गया है। मंडी में व्यापारियों के अनुसार, नींबू का एक डिब्बा करीब 20 से 24 किलो का होता है, जो इन दिनों होलसेल में 230-240 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। बढ़ती मांग और सीमित आवक के कारण रितेल कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है।

■ **मांग बढ़ी, सप्लाई कम**— गर्मी के बढ़ते प्रकोप के साथ नींबू की खपत तेजी से बढ़ी है। लोग लू और डिहाइड्रेशन से बचने के लिए नींबू पानी का अधिक सेवन कर रहे हैं, जिससे बाजार में इसकी मांग अचानक बढ़ गई है।

■ **सेहत के लिए जरूरी, पर जेब**



पर भारी— नींबू पानी शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ हाइड्रेटेड रखता है। यह पसीने से कम हुए इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करता है और पाचन में भी सहायक होता है। साथ ही, नींबू विटामिन C का अच्छा स्रोत है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

■ **रसोई का बजट बिगड़ा**— नींबू के बढ़ते दामों ने आम लोगों

की रसोई का बजट गड़बड़ा दिया है। जहां पहले नींबू रोजमर्रा की जरूरत था, अब लोग सीमित मात्रा में ही खरीदारी कर रहे हैं।

■ **आगे और बढ़ सकते हैं दाम**— व्यापारियों का मानना है कि अगर गर्मी का असर इसी तरह बना रहा और सप्लाई में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में नींबू के दाम और बढ़ सकते हैं।

Good DAY

समर न्यूज़ | लुधियाना

यह नई सुबह आपके जीवन में आशा, ऊर्जा और खुशियों की नई किरण लेकर आए। हर दिन एक नई शुरुआत का अवसर देता है, इसलिए आज को सकारात्मक सोच और पूरे उत्साह के साथ अपनाएं। बीते कल की चिंताओं को पीछे छोड़कर आगे बढ़ें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में लगातार प्रयास करते रहें। खुद पर विश्वास रखें और अपनी मेहनत पर भरोसा करें। छोटी-छोटी सफलताओं को भी महत्व दें, क्योंकि वही आगे बड़ी उपलब्धियों का रास्ता बनाती हैं।

भव्या धीर
डाइटिशियन

पेज 3 एंकर स्टोरी

दादी की कहानियां सुनाने की शैली ने लेखक बना दिया

समर न्यूज़ | शिमला

उपन्यासकार प्रिया हजेला अपने बचपन को याद करते हुए बताती हैं कि शिमला में अपनी दादी ‘बीजी’ के साथ बिताया समय उनके लेखक बनने की नींव बना। जब मैं छोटी थी, मेरी दादी मेरे लिए सिर्फ दादी नहीं, बल्कि मैं जैसी बन गई थीं—शायद मैं से भी बढ़कर। मेरे माता-पिता के अलग होने के बाद, मुझे और मेरी बहन को शिमला के बोर्डिंग स्कूल भेज दिया गया था।

मेरी दादी, जो मेरे पिता की माँ थीं, इस फैसले से खुश नहीं थीं। लेकिन वह आसानी से हार मानने वाली नहीं थीं। उन्होंने मेरे दादाजी को मनाकर शिमला में एक छोटा सा घर खरीद लिया ताकि हम उनके पास रह सकें। उनका मानना था—“अगर हम नहीं होंगे, तो इन बच्चियों का सहारा कौन बनेगा?”

बीजी: एक सादगी भरी माँ

बीजी हमेशा साधारण सलवार-कुर्ता पहनती थीं—सीधा-सादा, बिना फैशन



के पीछे भागे। उनकी आस्तोनी हमेशा तीन-चौथाई होती, ताकि लवचा की बीमारी के निशान छिपे रहें। वह बहुत सजने-संवरने वाली नहीं थीं—ना मेकअप, ना लिपस्टिक—बस हल्की सी खुशबू लगाना उनकी आदत थी। उनका व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली था। वह अपने पोते-पोतियों की हर छोटी-बड़ी आदत-जानती थीं—किसने हाथ नहीं धोए, किसने शरारत की, सब कुछ। बिना कुछ कहे, सिर्फ एक नजर और हल्की सी सिर हिलाने

से ही बच्चा समझ जाता था कि गलती क्या है।

भाषा, अनुभव और जीवन की समझ

बीजी को अंग्रेजी नहीं आती थी, लेकिन वह पंजाबी पढ़-लिख सकती थीं। दिलचस्प बात यह थी कि वह मुझसे और मेरी बहन से हिंदी में बात करती थीं, जबकि बाकी सब से पंजाबी में। उनका जीवन अनुभवों से भरा था—विभाजन के दौरान पाकिस्तान से

भारत आना, अपनों को खोना, और फिर नई जिंदगी शुरू करना। वह पंजाबी पत्रिकाएँ पढ़ती थीं और बॉलीवुड फिल्मों देखना पसंद करती थीं, लेकिन जब हम उनके साथ रहने लगे, तो उन्होंने फिल्में देखना कम कर दिया और हमें समय देना शुरू कर दिया।

कहानियों का संसार

बीजी हमें सिख गुरुओं की कहानियाँ सुनाती थीं, खासकर जब हम उनके साथ उस कमरे में जाते थे जहाँ गुरु ग्रंथ साहिब रखा होता था। वह शब्द पढ़ते-पढ़ते अचानक रुक जातीं और उसका अर्थ समझाने लगतीं। शाम को खाना बनने का इंतजार करते हुए भी वह कहानियाँ जारी रखतीं—और जैसे ही दादाजी आ जाते, वह कहानी बीच में छोड़कर घर का काम संभालतीं, लेकिन बाद में वहाँ से कहानी फिर शुरू हो जाती।

अनकही बातें

बीजी कुछ विषयों पर कभी बात नहीं करती थीं—हमारी माँ की मानसिक

स्थिति, विभाजन के दर्दनाक अनुभव। लेकिन छोटी-छोटी बातों में उनकी जिंदगी की झलक मिल जाती थी – जैसे उनके बचपन की कहानियाँ या दादाजी के साथ बिताए पल।

कहानी से लेखन तक

मैं बचपन से पढ़ने की शौकीन थी, लेकिन बीजी के साथ बिताए ये पल और उनकी कहानियाँ सुनाने का तरीका ही मुझे लेखक बनने की ओर ले गया। उनकी कहानियों ने हमें अपनी जड़ों से जोड़ना अपना मन महसूस कराना और यह विश्वास देना सिखाया कि हम प्यार और देखभाल से घिरे हैं।आज मैं लगभग उसी उम्र में हूँ, जिस उम्र में बीजी ने हमारी जिम्मेदारी संभाली थी। उनकी कहानियाँ ही मेरी लेखन यात्रा की असली शुरुआत थीं।

(प्रिया हजेला लैडीज टेलर(2022) की लेखिका हैं और वर्तमान में दो नई किताबों पर काम कर रही हैं—एक ऐतिहासिक उपन्यास और दूसरी सिख गुरुओं पर आधारित नॉन-फिक्शन।)

हिमाचल के शहरी निकाय चुनावों की घोषणा, 17 मई को मतदान

समर न्यूज़ | शिमला

हिमाचल प्रदेश में शहरी निकाय चुनावों का बिगुल बज चुका है। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के 51 शहरी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। राज्य चुनाव आयुक्त अनिल खाची ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इन निकायों के लिए मतदान 17 मई 2026 को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक कराया जाएगा।

आयोग के अनुसार चुनावी प्रक्रिया की शुरुआत 21 अप्रैल से हो चुकी है। उम्मीदवार 29 और 30 अप्रैल के साथ-साथ 2 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 4 मई को सुबह 10 बजे से शुरू होगी, जबकि नाम वापसी की अंतिम तिथि 6 मई दोपहर 3 बजे तक निर्धारित की गई है। उसी दिन नाम वापसी के तुरंत बाद चुनाव चिन्हों का आवंटन भी किया जाएगा। इस चुनाव

में कुल 51 शहरी निकाय शामिल हैं, जिनमें 4 नगर निगम, 25 नगर परिषद और 22 नगर पंचायतें आती हैं। इन सभी निकायों में कुल 449 पदों पर चुनाव होंगे। इनमें से 195 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इसके अलावा अनुसूचित जाति के लिए 89 और अनुसूचित जनजाति के लिए 12 सीटें आरक्षित रखी गई हैं। मतदान के बाद नगर पंचायत और नगर परिषद के चुनाव परिणाम उसी दिन संबंधित स्थानीय मुख्यालयों पर घोषित कर दिए जाएंगे। वहीं नगर निगमों मंडी, धर्मशाला, पालमपुर और सोलन की मतगणना 31 मई को सुबह 9 बजे से शुरू होगी।मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण पूरा कर लिया गया है और इस बार कुल 3,60,859 मतदाता अपने मतधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1,80,963 पुरुष, 1,79,882 महिलाएं और 14 अन्य मतदाता शामिल हैं। खास बात यह है कि 1,808 युवा मतदाता पहली बार मतदान करेंगे, जिन्होंने हाल ही में 18 वर्ष की आयु पूरी की है।



खेल-खेल में आ गई मौत : ऑटो पलटने से 4 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

चालू हालत में छोड़ा वाहन बना हादसे की वजह, एक्सीलेटर दबाते ही बेकाबू हुआ ऑटो

समर न्यूज़ | रेवाड़ी

रेवाड़ी के सनसिटी कॉलोनी में सोमवार को एक बेहद दर्दनाक हादसे में चार वर्षीय मासूम कार्तिक की जान चली गई। यह हादसा उस समय हुआ जब खेल-खेल में बच्चे ने खड़े ऑटो का एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और वह उसके नीचे दब गया।

मिली जानकारी के अनुसार, एक ऑटो चालक अपना वाहन चालू हालत में छोड़कर पास की दुकान पर चला गया था। इसी दौरान पास में मौजूद कार्तिक ऑटो में चढ़ गया और खेलते-खेलते उसने एक्सीलेटर दबा दिया। अचानक ऑटो तेज रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ ही दूरी पर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही मासूम



ऑटो के नीचे दब चुका था। स्थानीय लोगों ने तत्परा दिखाते हुए तुरंत ऑटो को सीधा किया और बच्चे को बाहर निकालकर नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि,

डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और परिवार में कोहराम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

GJU विवाद: जजपा-पुलिस टकराव बढ़ा, आयोगों का दरवाजा खटखटाया

दुष्यंत चौटाला के गंभीर आरोप अपराधियों जैसा व्यवहार

समर न्यूज़ | हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (GJU) विवाद को लेकर जननायक जनता पार्टी (जजपा) और हरियाणा पुलिस के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। जजपा ने पुलिस कार्रवाई और अपने नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग (NC-ST) का रुख किया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हिसार पुलिस ने उनके साथ और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ “अपराधियों जैसा व्यवहार” किया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने डीजीपी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनका नंबर ब्लॉक कर



दिया गया। दुष्यंत चौटाला ने आरोप लगाया कि 17 अप्रैल को CIA ईचार्ज ने उन पर हथियार तान दिया और गाड़ी से कुचलने की कोशिश भी की गई। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। जजपा की ओर से आयोग को भेजी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने रात के समय बिना महिला पुलिस बल के छापेमारी की। शिकायत के अनुसार, इस दौरान घर में मौजूद नाबालिग लड़की के

साथ भी लापरवाही बरती गई और परिजनों के साथ धक्का-मुक्की व बदसलूकी की गई। पार्टी नेताओं का कहना है कि छापेमारी के दौरान डीवीआर जब्त करते समय पुलिसकर्मी कथित तौर पर उस कमरे तक पहुंच गए जहां नाबालिग बच्ची मौजूद थी, जिससे गंभीर सवाल उठते हैं। इस पूरे विवाद को लेकर अब कानूनी संगठनों में भी नाराजगी देखी जा रही है। हिसार, कैथल और फतेहाबाद सहित कई बार एसोसिएशनों ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है और सोमवार को कई जगह वकीलों ने कामकाज का बहिष्कार किया। वहीं, जजपा ने आंदोलन तेज करने का ऐलान करते हुए 27 अप्रैल को हिसार में ‘छात्र हित महापंचायत’ आयोजित करने की घोषणा की है।

गुरुग्राम में अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई

डीएलएफ फेज-2 समेत आठ कॉलोनियों में चला बुलडोजर अभियान

समर न्यूज़ | गुरुग्राम

शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए डीएलएफ फेज-2 के एम ब्लॉक समेत आठ लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में अभियान चलाया। इस कार्रवाई का चौथा दिन रहा, जिसमें कई स्थानों पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया गया।



2 के एम ब्लॉक में पार्किंग क्षेत्रों और फुटपाथों पर किए गए अवैध कब्जों को हटया गया। इससे पहले इन अतिक्रमणों को हटाने के लिए संबंधित लोगों को नोटिस भी जारी किए गए थे, जिसके बाद मंगलवार को कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

विभाग ने जानकारी दी कि अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अस्थायी निर्माण, अवैध पार्किंग, फुटपाथ पर कब्जे और सार्वजनिक स्थानों पर रखे गए सामान को हटाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई पूरी तरह नियमानुसार

और बिना किसी भेदभाव के की जा रही है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग का कहना है कि शहर में यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा और आने वाले दिनों में अन्य कॉलोनियों में भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। डीटीपीई अमित मधोलिया ने स्पष्ट किया कि सड़क, फुटपाथ और सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान गुरुग्राम में व्यवस्थित शहरी विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

बदलाव कर्म प्रतिनिधित्व वाले कैंडर में SC कर्मियों को प्राथमिकता

SC कोटा प्रमोशन के नियमों में बदलाव

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति (SC) वर्ग के कर्मचारियों की पदोन्नति से जुड़े मौजूदा निर्देशों में संशोधन किया है। यह बदलाव विशेष रूप से उन कर्मचारियों पर लागू होगा, जो पदोन्नति में अपनी योग्यता के आधार पर चयनित होते हैं। इस बारे में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।



कैंडर में अनुसूचित जाति वर्ग का प्रतिनिधित्व निर्धारित स्तर तक पूरा नहीं हो जाता और शॉर्टफॉल समाप्त नहीं हो जाता। वहीं, जिन विभागों या कैंडरों में SC वर्ग का प्रतिनिधित्व पहले से ही 20 प्रतिशत या उससे अधिक है, वहां पदोन्नति की प्रक्रिया सामान्य नियमों के तहत ही जारी रहेगी। ऐसे मामलों में पात्र कर्मचारियों की पदोन्नति ‘सिनियरिटी-कम-मेरिट’ (वरिष्ठता-सह-योग्यता) के आधार पर लागू सेवा नियमों के अनुसार की जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि 20 प्रतिशत

प्रतिनिधित्व की गणना करते समय उन सभी कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा, जिन्हें वरिष्ठता-सह-योग्यता के आधार पर पदोन्नति मिली है। इसमें वे कर्मचारी भी शामिल होंगे, जिन्होंने आरक्षण का लाभ लिया हो या फिर अपनी योग्यता के आधार पर पदोन्नति प्राप्त की हो। सरकार के इस निर्णय का उद्देश्य प्रशासनिक ढांचे में संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना और पारदर्शी पदोन्नति प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना बताया जा रहा है।

महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस का भाजपा पर हमला



समर न्यूज़ | अंबाला

महिला आरक्षण बिल को लेकर अंबाला में कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने भाजपा को महिला विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार की मंशा महिलाओं को वास्तविक आरक्षण देने की नहीं है, बल्कि उसमें शर्तें जोड़कर प्रक्रिया को जटिल बनाया जा रहा है। अंबाला से सांसद वरुण मुलाना ने कहा कि वर्ष 2023 में 106वां संविधान संशोधन सर्वसम्मति से पारित हुआ था, जिसमें सभी दलों ने समर्थन दिया

बल्लभगढ़ में संदिग्ध फायरिंग, युवक के माथे में लगी गोली

समर न्यूज़ | बल्लभगढ़

भीकम कॉलोनी की गली नंबर 12 में गोली लगने की एक संदिग्ध घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। 22 वर्षीय युवक योगेश, पुत्र नेत्रपाल, के माथे में देशी पिस्तौल से चली गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हथियार किसके पास था। घटना के बाद परिजनों ने घायल योगेश को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे बादाशह खान अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए, जहां माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना से पूरे परिवार में सदमे का माहौल है।

तेज रफ्तार का कहर कार ने दो युवकों को कुचला, एक की मौत, दूसरा PGI रेफर

समर न्यूज़ | यमुनानगर

जिले के प्रतापनगर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में हिमाचल प्रदेश नंबर की अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़े दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है और उसे चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया गया है।



जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना प्रतापनगर के बहादुरपुर गांव के पास हुई। गांव बहादुरपुर निवासी तरुण (पुत्र कीर्तन पाल) और उसका दोस्त गौरव सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। दोनों मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। इसी दौरान एक स्थानीय स्कूल के मैनेजर सतीश कुमार वहां से गुजर रहे थे और स्कूटी रोककर युवकों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि तभी मुख्य सड़क की ओर से तेज रफ्तार में आ रही हिमाचल नंबर की कार

चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया और दोनों युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक हवा में उछलकर दूर जा गिरे। तरुण के सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गौरव गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक ने कुछ देर के लिए वाहन रोका, लेकिन मौके पर भीड़ बढ़ती देख वह कार सहित फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने तरुण को मृत घोषित कर दिया, जबकि

गौरव की हालत नाजुक होने पर उसे पहले यमुनानगर सिविल अस्पताल और फिर चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया गया। सूचना मिलते ही प्रतापनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने सतीश कुमार के बयान के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपी वाहन और चालक की पहचान की जा सके।

हिसार जिंदल रोलिंग मिल में बॉयलर धमाका 1 मजदूर की मौत, 4 गंभीर रूप से झुलसे

समर न्यूज़ | हिसार

हिसार के औद्योगिक क्षेत्र स्थित जिंदल रोलिंग मिल में बॉयलर फटने से बड़ा हादसा हो गया, जिसमें पांच मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। इलाज के दौरान सातरोड निवासी 26 वर्षीय विशाल की मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूरों का उपचार जारी है। घायलों में शामिल हरिराम ने बताया कि वह बॉयलर में स्क्रेप डाल रहा था, तभी अचानक जोरदार धमाका हुआ और उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया। कुछ समझने से पहले ही उसे महसूस हुआ कि उसके शरीर पर गर्म और पिघला हुआ पदार्थ गिर रहा है, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। जानकारी के अनुसार, पांच मजदूर बॉयलर में स्क्रेप डाल रहे थे। इसी दौरान स्क्रेप में एक एलपीजी सिलेंडर भी आ गया, जिसे



गली से बॉयलर में डाल दिया गया। सिलेंडर के संपर्क में आते ही जोरदार विस्फोट हुआ और पिघला हुआ स्क्रेप मजदूरों पर गिर पड़ा, जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सातरोड निवासी

घायलों को तुरंत जिंदल अस्पताल पहुंचाया, जहां विशाल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिजनों के अनुसार, विशाल करीब 80 प्रतिशत तक झुलस गया था, जबकि तारा बहादुर और शिवशंकर 50 प्रतिशत से अधिक झुलसे हुए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि फिलहाल सभी घायलों की स्थिति स्थिर है और खतरे से बाहर है। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि विशाल की उस दिन ड्यूटी निर्धारित कार्यस्थल पर नहीं थी, फिर भी उसे जबरन बॉयलर के पास काम पर लगाया गया। उन्होंने इस हादसे को प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर लापरवाही बताया। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है और प्राथमिक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने तक मिल में कामकाज रोक दिया गया है।

आसाराम केस का मुख्य गवाह महेंद्र चावला ठगी के मामले में गिरफ्तार

3 आरोपियों को 3 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा समर न्यूज़ | पानीपत

आसाराम बापू मामले के मुख्य गवाह रहे महेंद्र चावला को 70 लाख रुपये की कथित ठगी के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महेंद्र चावला, उसके भाई देवेंद्र और भतीजे रामप्रसाद को अदालत में पेश किया गया, जहां से तीनों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोप है कि तीनों ने ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी के जरिए करीब 70 लाख रुपये की रकम हड़पी, जिसे अलग-अलग राज्यों में छिपाया

गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अब पुलिस पांच राज्यों में छापेमारी की तैयारी में जुट गई है। अगली सुनवाई की तारीख 23 अप्रैल तय की गई है। शिकायतकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत में दलील दी कि ठगी की रकम हरियाणा, उत्तर प्रदेश (शामली), पंजाब, उत्तराखंड (देहरादून) और गुजरात तक पहुंचाई गई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि महेंद्र चावला के हिस्से में करीब 40 लाख रुपये आए थे, जो गुदादासपुर, सहारनपुर, चंडीगढ़ और गुजरात में छिपाए जाने की आशंका है। इसके अलावा उसके सनौली स्थित घर से एक कंप्यूटर

भी बरामद किया जाना है, जिसकी जांच की जा रही है। वहीं, देवेंद्र चावला से जुड़े करीब 15 लाख रुपये बेंगलुरु में उसकी रिश्तेदार के पास होने की सूचना मिली है। भतीजे रामप्रसाद से पुलिस ने अब तक 1.15 लाख रुपये बरामद किए हैं, जबकि शेष राशि उसके उत्तराखंड स्थित एक परिचित के पास होने का शक है। जांच एजेंसियों का कहना है कि मामले से जुड़े एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसकी मदद से पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ कर ठगी की पूरी रकम और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जाएगा।

अप्रैल में ही भीषण गर्मी का प्रकोप, नारनौल 42 डिग्री से सबसे गर्म

समर न्यूज़ | नारनौल

महेंद्रगढ़ जिले में गर्मी ने समय से पहले ही तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को नारनौल पूरे हरियाणा में सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से काफी अधिक है और संकेत दे रहा है कि इस बार गर्मी का असर समय से पहले ही तेज हो गया है।



मौसम के बदलते मिजाज का असर रात के तापमान पर भी दिख रहा है। न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 5.8 डिग्री अधिक है। इससे साफ है कि अब रातों भी राहत देने के बजाय गर्मी बढ़ा रही है। दिन के समय तापमान करीब 39 डिग्री के आसपास बना रहा, जबकि दोपहर में गर्म हवाओं के कारण

हालात और अधिक पेशेजान करने वाले रहे। इसका असर बाजारों और सड़कों पर भी दिखा, जहां दोपहर के समय भीड़ कम नजर आई। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है। महेंद्रगढ़ जिले में पारा 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही लू चलने और उमस भरी गर्मी का असर भी बढ़ेगा, जिससे दिन और रात दोनों समय लोगों को पेशेजान

का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल के अंत और मई की शुरुआत में सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण आंधी, धूलभरी हवाएं और हल्की बारिश देखने को मिल सकती है, जिससे तापमान में थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। फिलहाल स्थिति यह है कि सुबह से ही सूरज तीखी गर्मी बरसा रहा है और दोपहर तक हालात झुलसाने वाले बन जाते हैं।

918 दिन से धरने पर बैठे दृष्टिहीन युवाओं का फूटा गुस्सा, शिमला में प्रदर्शन उग्र

बैकलॉग भर्ती की मांग पर सचिवालय के बाहर विरोध, ‘ओक ओवर’ घेराव और चक्का जाम की चेतावनी

समर न्यूज़ | शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में पिछले 918 दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे दृष्टिहीन युवाओं का गुस्सा मंगलवार को खुलकर सामने आया। सचिवालय के बाहर एकत्रित प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और अनोखे तरीके से विरोध जताते हुए शर्ट उतारकर रोष प्रकट किया। इस दौरान पुलिस के साथ हल्की धक्का-मुक्की भी हुई, जिससे माहौल कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे दृष्टिहीन संगठन के सदस्य राजेश ठाकुर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी



मुख्य मांग विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगों के खाली पड़े बैकलॉग पदों को एकमुश्त भरना है। उनका आरोप है कि सरकार लंबे समय से उनकी इस जायज मांग को नजरअंदाज कर रही है, जिससे प्रदेश के करीब 1500 दिव्यांग

युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। राजेश ठाकुर ने सरकार और प्रशासन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए बताया कि 6 अप्रैल को प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास ‘ओक ओवर’ की ओर मार्च किया था। उस दौरान

उन्हें आशवासन दिया गया था कि मुख्यमंत्री के साथ उनकी बैठक करवाई जाएगी। हालांकि, अगले दिन 7 अप्रैल को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इससे यह साफ होता है कि सरकार दिव्यांगों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी केवल संविधान द्वारा दिए गए अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें बार-बार सड़कों पर संघर्ष करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इतना ही नहीं, पहले से मिल रही सुविधाओं में भी कटौती किए जाने का आरोप लगाया गया। दृष्टिहीन संघ ने

सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उन्हें जल्द मुख्यमंत्री के साथ बैठक का लिखित आशवासन नहीं मिलता, तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। प्रदर्शनकारियों ने आगामी चरण में मुख्यमंत्री आवास ‘ओक ओवर’ के घेराव और प्रदेशव्यापी चक्का जाम की चेतावनी दी है। स्थिति को और गंभीर बनाते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगले आंदोलन में वे हाथों में पेट्रोल की बोतल और लाइटर लेकर भी उतर सकते हैं। इस बयान ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। राजेश ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से सीधे हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि अधिकारी इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं।

बिलासपुर में टीबी के खिलाफ अभियान

263 गांवों में होगी व्यापक जांच

सुभाष | बिलासपुर
समर न्यूज़

जिला बिलासपुर में टीबी उन्मूलन अभियान को तेज गति से लागू किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि दत्त शर्मा ने बताया कि इस पहल के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों की समय पर जांच सुनिश्चित की जा सके। अभियान के लिए जिले के 263 गांवों को चिन्हित किया गया है, जहां टीबी की पहचान और रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अभियान का लक्ष्य लगभग 1.80 लाख लोगों की स्क्रीनिंग करना है। इसके अंतर्गत 14 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों का एक्स-रे किया जाएगा, जिससे संभावित टीबी मरीजों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान हो सके। जिन व्यक्तियों



में लक्षण पाए जाएंगे, उनकी विस्तृत जांच कर तुरंत उपचार शुरू किया जाएगा, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। डॉ. शर्मा ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में विशेष स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं, जहां टीबी के अलावा अन्य बीमारियों की जांच और परामर्श भी उपलब्ध कराया जा रहा है। आशा कार्यकर्ता इस

अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो घर-घर जाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं और जांच के लिए प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने जिला वासियों से अपील की कि वे इस निशुल्क अभियान का लाभ उठाएं। सभी जांच और दवाइयां मुफ्त उपलब्ध हैं, और समय पर उपचार से टीबी को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है।

चेस्टर हिल पर भाजपा ने मांगी निष्पक्ष जांच

समर न्यूज़ | शिमला

बहुचर्चित चेस्टर हिल प्रकरण को लेकर प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने मामले में सामने आए तथ्यों को गंभीर बताते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी में बड़े पैमाने पर जमीन खरीद से जुड़े कई सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनकी गहन जांच आवश्यक है।

जमवाल के अनुसार, कंपनी से जुड़े कुछ कर्मचारियों और उनके परिवारों के नाम पर बड़ी मात्रा में जमीन खरीदे जाने की बात सामने आई है, जो उनकी घोषित आय से मेल नहीं खाती। उन्होंने इसे संदिग्ध बताते हुए कहा कि इस तरह के मामलों में वित्तीय अनियमितताओं और संभावित मनी लॉन्ड्रिंग के पहलुओं



की भी जांच होनी चाहिए। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह एक संगठित आर्थिक अनियमितता का मामला हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच केवल सीमित दायरे तक नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसमें सभी संभावित पक्षों—प्रशासनिक स्तर, परियोजना से जुड़े व्यक्तियों और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, समयबद्ध और किसी भी तरह के दबाव से मुक्त होनी चाहिए।

कांगड़ा में कांग्रेस का 10 दिवसीय ट्रेनिंग कैंप शुरू

राहुल | धर्मशाला
समर न्यूज़

कांगड़ा में मंगलवार से कांग्रेस का 10 दिवसीय ट्रेनिंग कैंप शुरू हुआ, जिसमें पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के करीब 80 जिला अध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। यह कैंप कांगड़ा के यात्री सदन में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य जिला और बुथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाना है। कैंप के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता जिला अध्यक्षों को संगठन प्रबंधन, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति से जुड़ी बारीकियां समझाएंगे। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार और जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद करां सोमवार शाम को ही पहुंचा ए। ऑल इंडिया कांग्रेस कमटी के प्रशिक्षण प्रभारी सचिन राव ने कैंप का शुभारंभ किया।

ज्वालामुखी में विद्युत परियोजनाओं का सीएम ने शिलान्यास किया, देहरियां में उपमंडल खोलेंगे

समर न्यूज़ | कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ज्वालामुखी क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विद्युत मंडल और उपमंडल कार्यालय भवनों के निर्माण के साथ 33 केवी सब-स्टेशन के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं पर करीब 4 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिससे क्षेत्र के 35,000 से अधिक उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ज्वालामुखी के देहरियां में एक नए विद्युत उपमंडल खोलने की भी घोषणा की। इसके लिए लगभग 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कदम से क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या का समाधान होगा और लोगों को सप्ताहभर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा



सकेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पहले ही 48 करोड़ रुपये की लागत से नौ 33 केवी उपमंडलों की घोषणा की जा चुकी है, जिनका निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में जारी है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए श्री ज्वालामुखी, श्री चिंतपूर्णी और श्री नैना देवी जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि ज्वालामुखी

और नैना देवी मंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए 150 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिसमें से पहले चरण के लिए 25 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ज्वालामुखी मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण भी किया। विधायक संजय रत्न ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के कार्यकाल में क्षेत्र में विकास की नई गति आई है।

पेयजल योजनाओं का लोकार्पण किया

समर न्यूज़ | श्री चिंतपूर्णी

उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सोमवार को श्री चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दो महत्वपूर्ण उठाऊ पेयजल योजनाओं का लोकार्पण किया। ये योजनाएं एशियाई विकास बैंक (ADB) के सहयोग से जल शक्ति विभाग द्वारा तैयार की गई हैं। लोकार्पित योजनाओं में उठाऊ पेयजल योजना कोहाड़छत्र और उठाऊ पेयजल योजना अरनवाल गुरेट शामिल हैं। इन परियोजनाओं के शुरू होने से चौआर, भगड़ाह, लोहारा अप्पर, अंब टीला और चौआर पंचायतों की करीब 5000 आबादी को स्वच्छ और निश्चित पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि जल शक्ति विभाग के माध्यम से ‘हर घर जल’ अभियान को सशक्त किया जा रहा है।

राष्ट्रपति निवास मशोबरा में 2 मई तक पर्यटकों का प्रवेश बंद

समर न्यूज़ | शिमला



मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास को आगामी 2 मई 2026 तक आम पर्यटकों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, भारत के माननीय राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके और सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी हों। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस अवधि के दौरान परिसर में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक गतिविधि की

अनुमति नहीं होगी। इसमें नियमित पर्यटक प्रवेश, गाइडेड टूर और अन्य विजिट संबंधी सेवाएं पूरी तरह निलंबित रहेंगी। सुरक्षा एजेंसियां और स्थानीय प्रशासन संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। पर्यटन विभाग ने आगंतुकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे अपनी यात्रा योजनाओं में आवश्यक बदलाव करें और निर्धारित अवधि के दौरान राष्ट्रपति निवास आने से बचें। यह भी बताया गया है कि 3 मई 2026 से परिसर को पुनः आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

जनता सुक्खू सरकार की जनविरोधी नीतियों का हिसाब चुकता करने को तैयार : जयराम ठाकुर

समर न्यूज़ | सोलन

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी आगामी स्थानीय निकाय और नगर निगम चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की जनता वर्तमान सुक्खू सरकार की नीतियों से परेशान है और अब बदलाव का माहौल बन चुका है। राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने का स्वागत करते हुए जयराम ठाकुर ने मांग की कि चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले ही सरकारी तंत्र के दुर्लभ लुप्त रवैये और राजनीतिक दबाव के कारण चुनावों में अनावश्यक देरी हुई, जिससे लोकतंत्र की जमीनी इकाइयों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले तीन



वर्षों में जनविरोधी फैसले लिए गए हैं और अब जनता जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि माताएं-बहनें, किसान-बागवान और बेरोजगार युवा सरकार की चुनावी गारंटियों से खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं, क्योंकि वादे धरातल पर पूरे नहीं हुए। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश पर टेक्स का भारी बोझ डाला गया है और जनता इसका हिसाब वोट के जरिए चुकता करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विकास

कार्यों को आगे बढ़ाने में विफल रही है और पंचायत चुनावों में देरी से ग्रामीण विकास भी प्रभावित हुआ है। केंद्र सरकार से सहायता मिलने के बावजूद राज्य सरकार अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी। कानून-व्यवस्था पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधों की घटनाएं बढ़ रही हैं, जो सरकार और पुलिस प्रशासन की विफलता को दर्शाती हैं। उनके अनुसार, प्रशासनिक तंत्र में समन्वय की कमी और बढ़ता भ्रष्टाचार स्थिति को और गंभीर बना रहा है। जयराम ठाकुर ने इन चुनावों को 2027 के विधानसभा चुनावों का ‘सेमीफाइनल’ बताते हुए दावा किया कि भाजपा इन चुनावों में जीत हासिल करेगी और भविष्य में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ही प्रदेश में विकास की रफ्तार को फिर से पटरी पर ला सकती है।

मंडी में आधी रात को सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

धर्मवीर | मंडी
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला में दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि घटना आधी रात को 12 बजे के करीब पेश आयी है। करसोग-शिमला सड़क पर कलगार के समीप यह सड़क हादसा पेश आया है। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी करसोग क्षेत्र के दो युवक ततापानी से अपने घर की ओर लौट रहे थे, तभी उनकी अटो कार (एचपी 63बी 0451) अचानक अनियंत्रित होकर करीब 700 फुट गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भयानक था कि कार के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बीती रात को ही पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशकत के बाद दोनों के शवों को खाई से बाहर निकाला। मृतकों



की पहचान सुनील कुमार (25) पुत्र कांशी राम, निवासी गांव सौथल माहूनाग और पवन कुमार, पुत्र कृष्ण लाल, निवासी गांव केथु माहूनाग के रूप में हुई है। डीएसपी करसोग चांद किशोर ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले में नियमानुसार आगामी कार्रवाई जारी है।

प्राकृतिक खेती 18 मरले में उगाई फसल, पहले ही सीजन में 70 किलो शक्कर उत्पादन

सूखी और पथरीली जमीन पर भी लहलहाया गन्ना

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर जिले के कम वर्षा और पथरीली भूमि वाले क्षेत्रों में भी गन्ने की खेती संभव है। यह बात अब किसी कल्पना से अधिक एक सच्चाई बन चुकी है। विकास खंड बमसन के गांव हरनेड़ के प्रगतिशील किसान ललित कालिया ने प्राकृतिक खेती अपनाकर इस धारणा को बदल दिया है। उन्होंने केवल 18 मरले भूमि पर गन्ने की फसल उगाकर पहले ही सीजन में लगभग 70 किलोग्राम शक्कर तैयार की। ललित कालिया, जो पूरी तरह प्राकृतिक खेती से जुड़े हैं, ने हाल ही में आतमा परियोजना के अधिकारियों के साथ उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कुछ वर्षों पहले शुरू की गई प्राकृतिक खेती



अब उनके गांव में एक आंदोलन का रूप ले चुकी है। हरनेड़ गांव के करीब 52 परिवार अब गेहूं, मक्की, मोटा अनाज और दलहन फसलें प्राकृतिक विधि से उगा रहे हैं। ललित कालिया ने बताया कि उनके पूर्वज गन्ने की खेती करते थे, लेकिन समय के साथ यह परंपरा समाप्त हो गई थी। उन्होंने पिछले सीजन में इसे

पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया। शुरुआत में लोगों ने इसे असंभव बताया, लेकिन उनकी मेहनत रंग लाई और फसल सफलतापूर्वक तैयार हुई। खास बात यह रही कि गन्ने की इस फसल में एक बार भी सिंचाई नहीं करनी पड़ी। जंगली सूअरों द्वारा आधी फसल नुकसान पहुंचाने के बावजूद उत्पादन संतोषजनक रहा।

उन्होंने खुद ही गन्ने की पेराई कर लगभग 70 किलो शक्कर तैयार की। उन्होंने यह भी बताया कि गन्ने की फसल 5 से 7 वर्षों तक दोबारा बोने की आवश्यकता के बिना चल सकती है, जिससे किसानों की लागत कम होती है। साथ ही, वह पारंपरिक बीजों के संरक्षण के लिए भी प्रयासरत हैं।

हिमाचल में एमएसपी बढ़ोतरी से किसानों को राहत

समर न्यूज़ | शिमला

प्रदेश सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्राकृतिक पद्धति से उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों के एमएसपी में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। अब प्राकृतिक रूप से उगाए गए गेहूं की एमएसपी 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम कर दी गई है। मक्की की एमएसपी भी 40 रुपये से 50 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। चम्बा जिले की पांगी घाटी में उत्पादित जौ की एमएसपी 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम कर दी गई है। कच्ची हल्दी में 90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। वहीं, प्राकृतिक रूप से उगाई गई अदरक को 30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदने का निर्णय लिया है।

हमीरपुर में इंस्पायर मानक अवार्ड प्रतियोगिता

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर में आयोजित 13वीं जिला स्तरीय इंस्पायर मानक अवार्ड प्रतियोगिता 2024-25 का शुभारंभ उपनिदेशक शिक्षा कमल किशोर ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के कुल 88 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनमें 48 सरकारी स्कूलों और 40 निजी स्कूलों के छात्र-छात्राएं शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न नवाचारी विज्ञान मॉडलों को प्रस्तुत किया, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत, तकनीकी नवाचार और दैनिक जीवन से जुड़े वैज्ञानिक समाधान प्रमुख रहे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मॉडलों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को



और बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर जिला विज्ञान पर्यवेक्षक राजेश गौतम, स्कूल के प्रिंसिपल सतीश पॉल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपनिदेशक शिक्षा कमल किशोर ने बताया कि विज्ञान द्वारा प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा चयनित प्रत्येक विद्यार्थी को अपने विज्ञान मॉडल के निर्माण के लिए 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि इंस्पायर मानक अवार्ड योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों

में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में विज्ञान के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतियोगिता में चयनित शीर्ष 10 प्रतिशत मॉडल राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कमल किशोर ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष हमीरपुर जिले के एक विद्यार्थी के मॉडल का चयन अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए भी हुआ था, जिसके लिए उसे विशेष मार्गदर्शन और ओरिएंटेशन प्रदान की जा रही है।

फसलों के लिए ऑयल सीड किसान मित्र क्यूआर लॉन्च

समर न्यूज़ | मोहाली

जिले के मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. सुखजिंदर सिंह बाजवा ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा तेल बीज फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए “ऑयल सीड किसान मित्र” क्यूआर स्कैनर शुरू किया गया है। इस डिजिटल पहल के माध्यम से किसानों को खेती से जुड़ी आवश्यक जानकारी और उनकी समस्याओं का ऑनलाइन समाधान उपलब्ध कराया जाएगा।



उन्होंने बताया कि किसान इस क्यूआर स्कैनर के जरिए सरसों, सूरजमुखी, मूंगफली और तिल जैसी फसलों की वैज्ञानिक खेती, उन्नत किस्में, उर्वरक प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण, सिंचाई व्यवस्था और विशेषज्ञों की सलाह से संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, किसानों को फसल की बेहतर कीमत और विपणन से जुड़ी जानकारी भी इस प्लेटफॉर्म पर मिलेगी।

डॉ. बाजवा ने कहा कि किसान राष्ट्रीय तिलहन मिशन और राष्ट्रीय

कृषि विकास योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी इस माध्यम से हासिल कर सकेंगे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गांव स्तर पर शिविर लगाकर किसानों को इस क्यूआर स्कैनर के उपयोग के बारे में जागरूक किया जा रहा है। किसानों से अपील की गई है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और किसी भी समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क करें।

नगर निगम चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, गुरमेल जा सकती हैं भाजपा में

समर न्यूज़ | पंचकूला

नगर निगम चुनाव से ठीक पहले जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस को बड़ा झटका लगने के संकेत मिल रहे हैं, क्योंकि वार्ड नंबर 10 की पूर्ण पार्षद गुरमेल कौर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। सोमवार को हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल और हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता गुरमेल कौर के निवास पर पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेताओं ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया, जिससे उनके पार्टी में शामिल होने की अटकलें और तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, गुरमेल कौर



के साथ उनके समर्थकों का भी एक बड़ा वर्ग भाजपा का दामन थाम सकता है। यदि ऐसा होता है, तो स्थानीय स्तर पर कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ सकता है और चुनावी समीकरण प्रभावित हो सकते हैं। नगर निगम चुनाव को देखते हुए सभी राजनीतिक दल सक्रिय हो गए हैं। नेताओं के बीच लगातार बैठकों और संभावित दल-बदल की खबरों ने चुनावी माहौल को और गर्म कर

पंजाब यूनिवर्सिटी हॉस्टल में हुआ हादसा तीसरी मंजिल से गिरा छात्र, दोनों पैर फ्रैक्चर, घायल बीए का छात्र

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी के हॉस्टल नंबर-6 में एक छात्र तीसरी मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में छात्र के दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए हैं। साथी छात्रों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है और हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घायल छात्र की पहचान नसीब सिंह के रूप में हुई है, जो बीए का छात्र है और फिरोजपुर का निवासी है। जानकारी के मुताबिक, घटना उस समय हुई जब नसीब सिंह खाना खाने के बाद हॉस्टल की तीसरी मंजिल पर अपने कमरे के बाहर बालकनी में खड़ा था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया।



प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गिरने से पहले छात्र को चक्कर आया था, जिससे वह खुद को संभाल नहीं सका। गिरते ही उसने जोर से चीख लगाई, जिसे सुनकर अन्य छात्र मौके पर पहुंचे। उस समय वह उठने की

स्थिति में नहीं था और दर्द से कराह रहा था। साथियों ने बिना देरी किए उसे पीजीआई अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तुरंत उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के अनुसार, छात्र के दोनों पैरों में फ्रैक्चर है, लेकिन सिर

घग्गर नदी तटबंध मजबूत करने की तैयारी, डीसी ने लिया जायजा

समर न्यूज़ | डेराबस्सी

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल द्वारा आज एस.डी.एम. डेराबस्सी अमित गुप्ता तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर गांव तिवाणा में घग्गर नदी के बांध की मजबूती संबंधी दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने मौके पर प्रबंधों का जायजा लिया और संभावित कार्यों के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श किया।

उन्होंने बताया कि इस दौर के दौरान ग्रामीणों द्वारा घग्गर नदी को चौड़ा करने तथा मौजूदा रिवेटमेंट की मरम्मत एवं मजबूती संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे जिला समिति द्वारा विचार किया गया। इस प्रस्ताव के अनुसार गांव तिवाणा में घग्गर नदी की बुर्जी आर.डी.



33500 के डाउनस्ट्रीम से गांव की सीमा तक नदी की मौजूदा चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, खुदाई के दौरान निकलने वाली मिट्टी का उपयोग मौजूदा रिवेटमेंट के पीछे एक मजबूत बांध के निर्माण के लिए किया जाएगा। यह बांध लगभग 40 फुट चौड़ा होगा और इसकी लंबाई रिवेटमेंट के अनुरूप रखी जाएगी, जिससे रिवेटमेंट को अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। साथ ही, रिवेटमेंट की आवश्यकतानुसार मरम्मत भी की जाएगी।

पोषण पखवाड़ा 2026: जागरूकता और नवाचार से स्वस्थ भविष्य की ओर पहल

शगुन कश्यप | चंडीगढ़

समर न्यूज़

पोषण पखवाड़ा के तहत स्नेहालय, मलौया में “DIY टॉय मेकिंग वर्कशॉप” विषय पर एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल देखभाल को सुदृढ़ करना, खेल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना और आंगनवाड़ी केंद्रों में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सचिव, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन अनुराधा एस. चगती उपस्थित रहीं, जबकि निदेशक राधिका सिंह ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजरों, अभिभावकों और



अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। एनजीओ ‘कच्ची सड़क’ के सहयोग से आयोजित इस वर्कशॉप में प्रतिभागियों को स्थानीय सामग्री से कम लागत वाले स्वदेशी खिलौने बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यकर्ताओं ने अपने हस्तनिर्मित खिलौनों का प्रदर्शन कर बच्चों के समग्र विकास में रचनात्मक खेल की अहम भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. सुरित ने अभिभावकों को बच्चों के स्क्रीन

टाइम को न्यूनतम करने और उन्हें स्क्रीन-प्री गतिविधियों से जोड़ने के महत्व पर जागरूक किया। साथ ही पीजीआईएमईआर के चिकित्सकों ने भी इस विषय पर जानकारी साझा की। एक कठपुतली शो के माध्यम से बच्चों को मनोरंजक तरीके से सीखने का संदेश दिया गया। इसके अलावा, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पोषण रैलियां, मिलेट्स व किचन गार्डन को बढ़ावा देने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने 24वीं और 25वीं बस को किया रवाना

तीर्थाटन

डेराबस्सी और मोहाली से 24वीं-25वीं बसें रवाना, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

समर न्यूज़ | डेराबस्सी

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने पंजाब सरकार की लोक-कल्याणकारी पहल मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आज डेराबस्सी के मुबारिकपुर से श्रद्धालुओं की 24वीं और 25वीं बस को धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए रवाना किया। उन्होंने बताया कि अब से श्रद्धालु दो बसों में यात्रा करेंगे।



विधायक कुलवंत सिंह मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं से भरी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए। बुजुर्गों के लिए एक बड़ी सुविधा है, जिसके माध्यम से वे बिना किसी आर्थिक बोझ के अपने पसंदीदा धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों की आध्यात्मिक भावनाओं का सम्मान करना और उन्हें सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है। विधायक ने आगे कहा, “हमें बहुत खुशी होती है जब हमारे बुजुर्गों के

चेहरों पर मुस्कान होती है और वे श्रद्धा के साथ धार्मिक यात्रा के लिए रवाना होते हैं। यह योजना समाज में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता को मजबूत कर रही है।” उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुचारु यात्रा की कामना करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा यात्रा के दौरान हर संभव सुविधा सुनिश्चित की जा रही है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, पार्टी कार्यकर्ता और श्रद्धालुओं के परिजन भी उपस्थित थे, जिन्होंने यात्रियों को शुभकामनाएं देकर रवाना किया। मोहाली से विधायक कुलवंत सिंह ने 24वीं और 25वीं बस को किया रवाना मोहाली : मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आज मोहाली से

विधायक कुलवंत सिंह ने गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, फेज-1 मोहाली से श्रद्धालुओं से भरी 24वीं और 25वीं बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, उनके परिजन और स्थानीय लोग मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने बताया कि यह यात्रा तीन दिन और दो रातों

या शरीर के अन्य हिस्सों में कोई गंभीर चोट नहीं आई है। समय पर इलाज मिलने से उसकी जान को खतरा नहीं है।

घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-11 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस हॉस्टल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल पुलिस इसे एक हादसा मान रही है, लेकिन सभी पहलुओं से जांच जारी है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन भी सतर्क हो गया है। स्टाफ और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी भवनों की जांच की जाए और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

हरियाणा कांग्रेस ने पंचकूला मेयर चुनाव के लिए सुधा भारद्वाज पर जताया भरोसा

समर न्यूज़ | पंचकूला

हरियाणा कांग्रेस ने पंचकूला नगर निगम मेयर चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की औपचारिक घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने सह-प्रभारी प्रफुल्ल गुडथे की उपस्थिति में पंचकूला सुधा भारद्वाज को मेयर पद का टिकट सौंपा। इस अवसर पर पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने पंचकूला की विकास, पारदर्शी प्रशासन और जनसेवा को ध्यान में रखते हुए सुधा भारद्वाज जैसे कर्मठ, ईमानदार और जन्महैतैषी चेहरे पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि पंचकूला की



जनता कांग्रेस उम्मीदवार को भारी समर्थन देकर विजयी बनाएगी और भाजपा की जनविरोधी नीतियों को करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि पंचकूला शहर को बेहतर बुनियादी सुविधाएं, स्वच्छ प्रशासन, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के लिए अवसर और व्यवस्थित विकास देने का संकल्प कांग्रेस पार्टी का है। मेयर पद की उम्मीदवार सुधा भारद्वाज ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने

जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ खरी उतरेगी। उन्होंने कहा कि पंचकूला की जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करना उनका लक्ष्य रहेगा। पंचकूला नगर निगम मेयर चुनाव को लेकर कांग्रेस ने चुनावी गतिविधियों को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में पंचकूला विधायक चंद्र मोहन ने कांग्रेस मेयर उम्मीदवार सुधा भारद्वाज के चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की बड़ी संख्या मौजूद रही। कार्यालय उद्घाटन के दौरान विधायक चंद्र मोहन ने कहा कि पंचकूला की जनता इस बार बदलाव चाहती है और कांग्रेस के पक्ष में मजबूत माहौल बना हुआ है।

PM का फर्जी वीडियो शेयर करने पर कार्रवाई

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

प्रधानमंत्री से जुड़ा फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने के मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने लेखिका मधु किश्वर को नोटिस जारी किया है। मंगलवार को पुलिस टीम दिल्ली के सरिता विहार स्थित उनके दफ्तर पहुंची और पूछताछ के बाद उन उन्हें नोटिस थमाया। यह मामला 19 अप्रैल को सामने आया था, जब प्रधानमंत्री का बताकर एक भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। आरोप है कि मधु किश्वर ने इस वीडियो को रीट्वीट किया, जिसके बाद चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर-26 थाने में FIR दर्ज की। क्या कहा पुलिस ने? सेक्टर-19 थाने की SHO सरिता रॉय के अनुसार, मामले में BNSS की धारा 35(3) के तहत नोटिस दिया गया है और मधु किश्वर को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन में पेश होने को कहा गया है।

बेसिक कंप्यूटर और पंजाबी स्टेनो कोर्स के दाखिले शुरू

समर न्यूज़ | मोहाली

जिला रक्षा सेवाएं भलाई कार्यालय के अधीन संचालित शैक्षणिक संस्था सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, एस.ए.एस. नगर (मोहाली) में बेसिक कंप्यूटर कोर्स (3 महीने) और पंजाबी स्टेनो (1 वर्ष) के लिए दाखिले शुरू हो गए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए कॉलेज डायरेक्टर गुरु कैप्टन दर्विंदर सिंह हिल्लों (सेवानिवृत्त) ने बताया कि बेसिक कंप्यूटर कोर्स के लिए उम्मीदवार का 10वीं पास होना आवश्यक है, जबकि पंजाबी स्टेनो कोर्स के लिए ग्रेजुएशन अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि दाखिले में 75 प्रतिशत सीटें पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए आरक्षित हैं, जबकि 25 प्रतिशत सीटें अन्य श्रेणियों जैसे एससी, बीसी, एसटी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए

निर्धारित हैं। इंस्टीट्यूट की प्रिंसिपल डॉ. कविता ठाकुर ने बताया कि इन कोर्सों में छात्रों को एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट, जावा और सी++ प्रोग्रामिंग, एचटीएमएल, प्रिंटिंग, स्कैनिंग, ई-मेल के साथ-साथ पंजाबी और अंग्रेजी टाइपिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है। पढ़ाई के साथ-साथ प्रैक्टिकल प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कोर्स पूरा करने के बाद छात्रों को आईएसओ प्रमाणित सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है, जिससे वे सरकारी नौकरियों के लिए आवश्यक 120 घंटे की कंप्यूटर शिक्षा की शर्त पूरी कर सकें और अपने पैरों पर खड़े हो सकें। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी कार्यदिवसों में संस्थान का दौरा कर सकते हैं या फोन नंबर 9888014516, 8194887166 और 7347413775 पर संपर्क कर सकते हैं।

जिंदगी-मौत से लड़ रहे अफगानी पूर्व तेज गेंदबाज हेमोफैगोसिटिक लिम्फो हिस्टियोसाइटोसिस नामक एक बीमारी से पीड़ित

एजेंसी | नई दिल्ली

अफगानिस्तान के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शफ़ू ज़द़रान नई दिल्ली के एक अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट में अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शफ़ू हेमोफैगोसिटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस नामक एक जानलेवा बीमारी से पीड़ित हैं जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) काम करना बंद कर देता है। शफ़ू जनवरी से ही HLH की गंभीर अवस्था का इलाज करवा रहे हैं।

शफ़ू ज़द़रान ने 2009 से 2020 के बीच अफगानिस्तान के लिए 80 अंतरराष्ट्रीय मैच (44 ODI और 36 T20I) खेले, उन्हें पिछले साल अक्टूबर में पहली बार अस्वस्थ महसूस हुआ। यह जानकारी उनके छोटे भाई गमाई ज़द़रान ने दी। अफगानिस्तान के डॉक्टरों ने बाद में उन्हें आगे के इलाज के लिए भारत की सलाह दी। क्रिकइंडो के अनुसार गमाई ने बताया कि शफ़ू को भारत का वीजा जल्दी मिल



गया, क्योंकि अफगानिस्तान की T20I टीम के कप्तान राशिद खान और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) के चेयरमैन मोरवाइस अशरफ ने भारत में अपने संपर्कों के जरिए उनकी मदद की। अशरफ ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के चेयरमैन जय शाह से संपर्क किया जबकि राशिद ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट जगत में अपने

संपर्कों का इस्तेमाल किया जिसमें गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के स्वामित्व वाली अन्य टीमों की टीमों शामिल हैं। शफ़ू 18 जनवरी को भारत पहुंचे और उसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। गमाई ने बताया कि शफ़ू एक गंभीर और पूरे शरीर में फैल चुके संक्रमण से पीड़ित थे जिसमें टीबी (Tuberculosis) भी शामिल है।

MRI और CT स्कैन से यह भी पुष्टि हुई है कि यह संक्रमण उनके दिमाग तक भी फैल चुका था। गमाई ने कहा, 'यह एक बहुत गंभीर इन्फेक्शन था। उसका पूरा शरीर इन्फेक्शन से भरा हुआ था जिसमें TB (ट्यूबरकुलोसिस) भी शामिल था। यह उसके दिमाग तक भी फैल गया था, जिसका पता MRI और CT स्कैन के बाद चला।'

घमाई ने बताया कि शुरू में करीब 20 दिनों तक शफ़ू की हालत में सुधार दिखा, लेकिन बार-बार होने वाले इन्फेक्शन की वजह से उसकी हालत फिर बिगड़ गई, जिसके चलते उसे दोबारा अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घमाई ने कहा, 'डॉक्टर ने कहा था कि हम अक्सर चेक-अप के लिए आ सकते हैं। करीब 20 दिनों तक उसे [शफ़ू को] अच्छा महसूस हो रहा था, लेकिन फिर उसे दोबारा इन्फेक्शन हो गया। तब हमने उसे (दोबारा) अस्पताल में भर्ती कराया।'

एजेंसी | नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने अंडर-18 राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए कुल 84 खिलाड़ियों (42 पुरुष और 42 महिला) की घोषणा की है। यह शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) भोपाल में आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों का चयन हाल ही में आयोजित सब-जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। यह शिविर जापान में होने वाले अंडर-18 एशिया कप 2026 की तैयारी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एक सप्ताह के मूल्यांकन के बाद खिलाड़ियों की संख्या 42-42 से घटकर 24-24 कर दी जाएगी, जो आगे के प्रशिक्षण चरण में शामिल होंगे। यह प्रक्रिया अंतिम टीम चयन के लिए अहम होगी। शिविर का सबसे खास पहलू ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास श्रृंखला होगी। इसमें भारतीय पुरुष और महिला अंडर-18 टीमों 11 से 21 मई के बीच मुकाबले खेलेंगी।



इन मुकाबलों से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और एशिया कप से पहले उनकी तैयारी मजबूत होगी। महिला टीम की जिम्मेदारी पूर्व कप्तान रानी रामपाल संभालेंगी, जबकि पुरुष टीम को सरदार सिंह और कोच राजनिश मिश्रा प्रशिक्षण देंगे। दोनों ही प्रशिक्षक युवा खिलाड़ियों को आधुनिक हॉकी के अनुसार तैयार करने पर जोर देंगे। सरदार सिंह ने कहा कि यह पहल बेहद सराहनीय है और उनका ध्यान खिलाड़ियों की बुनियादी मजबूती के साथ आधुनिक रणनीतियों पर

रहेगा। उन्होंने बताया कि इस समूह में काफी प्रतिभा है, जो आने वाले वर्षों में देश का प्रतिनिधित्व कर सकती है। वहीं रानी रामपाल ने भी खिलाड़ियों के व्यक्तिगत कौशल, टीम संरचना और मानसिक विकास पर विशेष ध्यान देने की बात कही। पुरुष टीम में उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा 7 खिलाड़ी चुने गए हैं, जबकि मध्य प्रदेश से 6 और पंजाब से 4 खिलाड़ियों को स्थान मिला है। महिला टीम में झारखंड से सर्वाधिक 8 खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि मध्य प्रदेश, पंजाब और ओडिशा से 5-5 खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

चोटिल जैक ड्रेपर मैट्रिड और इटैलियन ओपन में नहीं खेलेंगे

एजेंसी | लंदन

जैक ड्रेपर ने इस हफ्ते होने वाले मैट्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और घुटने की नस में चोट लगने के कारण वह अगले महीने होने वाले इटैलियन ओपन में भी नहीं खेल पाएंगे। 24 साल के ड्रेपर ने मॉटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था और इसी समस्या के चलते बार्सिलोना में इस सीजन के अपने एकमात्र ब्ले कोर्ट मैच से उन्हें बीच में ही हटना पड़ा था।

यह टूर्नामेंट हद्दी में चोट (बोन ब्रूसिंग) से उबरने के बाद उनकी वापसी का सिर्फ चौथा टूर्नामेंट था; इस चोट की वजह से यूएस ओपन के एक मैच को छोड़कर वह विंबलडन के बाद से ही दूर से बाहर थे। ड्रेपर ने कहा, 'मेरे घुटने की नस



में चोट बढ़ जाने के कारण मैं मैट्रिड और रोम में नहीं खेल पाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन मैं श्रृंगुजार हूँ कि यह कोई बहुत गंभीर चोट नहीं

है। मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि मैं रोलैंड गैरोस के लिए पूरी तरह फिट हो जाऊंगा। मैं वहां से अपनी लय बनाने का इंतजार कर रहा हूँ।

अहमदाबाद में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 30वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटन्स को 99 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। यह मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जहां टॉस जीतकर गुजरात ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की शुरुआत एक बार फिर कमजोर रही। पिछले मुकाबले में शतक लगाने वाले क्विंटन डिकॉक इस बार केवल 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। डेब्यू कर रहे दानिश भी महज 2 रन ही बना सके, जबकि सूर्यकुमार यादव भी 15 रन बनाकर आउट हो गए। शुरुआती झटकों के बाद तिलक वर्मा और नमन धीरे ने पारी को संभाला और दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई।



13वें ओवर में नमन धीरे 45 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद तिलक वर्मा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और तेजी से रन

बटोरने शुरू कर दिए। उन्होंने मात्र 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और फिर रुकने का नाम नहीं लिया। चोट से जूझते हुए भी तिलक ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और

45 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और 7 छक्के लगाए और मुंबई को 200 रनों के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली ही गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने साई सुदर्शन को आउट कर बड़ा झटका दिया। इसके बाद हार्दिक पांड्या ने जोस बटलर को चलाया किया। कप्तान शुभमन गिल भी 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जिससे टीम दबाव में आ गई।

मुंबई इंडियंस के खराब प्रदर्शन पर घिरे हार्दिक पंड्या

एजेंसी | मुंबई

आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तान हार्दिक पंड्या पर सवाल लगातार तेज होते जा रहे हैं। टीम ने अपने पहले पांच मुकाबलों में से चार में हार का सामना किया है और अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर बनी हुई है। ऐसे में न सिर्फ टीम की रणनीति बल्कि कप्तानी और व्यक्तिगत प्रदर्शन भी चर्चा के केंद्र में आ गए हैं।

टीम के खराब प्रदर्शन के पीछे गेंदबाजी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर उभरी है। आंकड़ों के अनुसार मुंबई ने पांच मैचों में 972 रन खींच किए हैं। टीम का इकॉनमी रेट 10.26 और गेंदबाजी औसत



30.86 रहा है, जो यह दर्शाता है कि गेंदबाज न तो रन रोक पा रहे हैं और न ही लगातार विकेट निकाल पा रहे हैं। इस वजह से विपक्षी टीमों आसानी से बड़े स्कोर खड़ा कर रही हैं। हार्दिक पंड्या का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं

उतर पाया है। उन्होंने चार मैचों में केवल 81 रन बनाए हैं और दो विकेट लिए हैं। एक मुकाबला वह बीमारी के कारण नहीं खेल सके थे। ऐसे में एक सीनियर ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर उनसे बड़ी जिम्मेदारी की उम्मीद की जा रही है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भी हार्दिक के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हार्दिक से अब एक ऐसी पारी की जरूरत है जो टीम को अकेले दम पर जीत दिला सके। चोपड़ा के मुताबिक, हाल के समय में हार्दिक की ओर से कोई बड़ी मैच जिताने वाली पारी देखने को नहीं मिली है, केवल छोटे योगदान ही नजर आए हैं। इस बीच पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने टीम की कप्तानी को लेकर सुझाव दिया है कि स्थिरता के लिए रोहित शर्मा को दोबारा कप्तानी सौंपी जा सकती है, जिन्होंने टीम को पांच बार खिताब दिलाया है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि टीम की मौजूदा स्थिति के लिए सिर्फ हार्दिक को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं होगा।

फ्रेंच ओपन से पहले पूरी तरह फिट होना है: कार्लोस

एजेंसी | मैड्रिड

कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन से पहले कलाई की चोट से जूझ रहे हैं। मॉडिकल टेस्ट के बाद तय होगा कि वह अगले फ्रेंच ओपन में हिस्सा ले पाएंगे या नहीं। दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी को यह समस्या बार्सिलोना में अपने शुरुआती मुकाबले के दौरान हुई, जिसके बाद उन्हें बार्सिलोना ओपन और मैट्रिड ओपन जैसे बड़े टूर्नामेंट्स से हटना पड़ा। यह चोट ऐसे समय पर आई है जब अल्काराज शानदार फॉर्म में थे और रोलैंड गैरोस में दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरने की तैयारी कर रहे थे। अल्काराज ने कहा, 'मैं जल्दीबाजी नहीं, थोड़ा इंतजार करके पूरी तरह फिट होकर लौटना पसंद करूंगा।

रोहित और सैंटनर की फिटनेस पर राहत, गुजरात मुकाबले से पहले मुंबई को मिली अच्छी खबर

एजेंसी | मुंबई

आईपीएल 2026 में खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। टीम के गेंदबाजी कोच पारस म्हात्रे ने स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर की फिटनेस को लेकर सकारात्मक अपडेट दिया है।

मुंबई इंडियंस इस समय अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है और टीम को उस वक्त बड़ा झटका लगा था, जब रोहित शर्मा हैमरिस्ट्रंग चोट के कारण बाहर हो गए थे। वह रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के खिलाफ मुकाबले में चोटिल हुए

थे और इसके बाद पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे। अब टीम का अगला मुकाबला गुजरात टाइटन्स से अहमदाबाद में होना है। यह मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां मुंबई अब तक गुजरात को हराने में सफल नहीं रही है। ऐसे में यह मुकाबला टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में पारस म्हात्रे ने बताया कि रोहित शर्मा और सैंटनर दोनों अब फिट हैं। उन्होंने कहा कि रोहित नेट्स में बल्लेबाजी करते नजर आए और अपनी फिटनेस पर लगातार काम कर रहे हैं। वहीं सैंटनर भी बीमारी से उबर चुके हैं और पूरी

तरह उपलब्ध हैं। हालांकि रोहित की वापसी को लेकर अभी थोड़ी अनिश्चितता बनी हुई है। पंजाब के खिलाफ मैच से पहले ही उन्होंने अभ्यास किया था, लेकिन कप्तान हार्दिक पंड्या ने संकेत दिए थे कि रोहित को पूरी तरह फिट होने में एक-दो मैच और लग सकते हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन जल्दबाजी नहीं करना चाहता। रोहित शर्मा की वापसी से टीम का संतुलन बेहतर होगा। उनकी गैरमौजूदगी में क्विंटन डिकॉक को मौका मिला, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। अब अगर रोहित टीम में लौटते हैं, तो प्लेइंग इलेवन में बदलाव तय माना जा रहा है।

हार के बाद भावुक हो गए 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी

एजेंसी | जयपुर

ईडन गार्डन्स में सोमवार शाम मुकाबला खत्म होने के बाद जीत का शोर गूंज रहा था, लेकिन एक भावुक तस्वीर ने सबका ध्यान खींच लिया। कोलकाता नाइट राइडर्स की जीत के जश्न के बीच राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी बाउंड्री के पास अकेले बैठे रोते नजर आए।

मैच समाप्त होने के बाद जब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम की ओर लौट रहे थे, वैभव मैदान पर ही रुक गए। झुका हुआ चेहरा और आंखों में आंसू इस बात का संकेत दे रहे थे कि उन्होंने हार का दर्द अपने भीतर समेट लिया है। इस भावुक पल में खेल की भावना भी देखने को मिली, जब केकेआर के स्पोर्ट स्टाफ का एक सदस्य उनके पास पहुंचा और उन्हें सांत्वना दी। वैभव सूर्यवंशी ने कठिन पिच पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए 28



गेंदों में 46 रन बनाए। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और नौवें ओवर तक स्कोर 81 रन पहुंचाया। हालांकि, अर्धशतक से चार रन पहले आउट होने के बाद टीम की पारी लड़खड़ा गई। कोलकाता के गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती (3/14) और सुनील नरेन (2/26) ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मैच का रुख पलट दिया, जिससे राजस्थान की टीम 155/9 तक ही पहुंच सकी।

संवाद भावनात्मक दूरी एक बड़ी चुनौती बन रही है

भाषा सीखना : दिलों को जोड़ने वाला अनमोल सेतु

समर न्यूज़ | अमृतसर

आज के आधुनिक और तेज रफ्तार जीवन में जहां भौतिक दूरियां लगातार बढ़ रही हैं, वहीं भावनात्मक दूरी भी एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। ऐसे समय में भाषा एक ऐसा माध्यम बनकर उभरती है, जो न केवल संवाद स्थापित करती है, बल्कि दिलों को जोड़ने का कार्य भी करती है। भाषा केवल शब्दों और वाक्यों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह हमारी भावनाओं, संस्कारों और पहचान का दर्पण है। जब हम किसी नई भाषा को सीखने का प्रयास करते हैं, तो हम केवल नए शब्द नहीं सीखते, बल्कि उस भाषा से जुड़े लोगों की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को भी समझने लगते हैं। यह समझ हमारे भीतर संवेदनशीलता और सम्मान की भावना को बढ़ाती है। उदाहरण के तौर पर, जब कोई विदेशी व्यक्ति हिंदी या पंजाबी सीखता है, तो वह केवल भाषा नहीं



मानवी सोढ़ी छाबड़ा
टैपेज कोच एवं कल्चरल कनेक्टर

सीख रहा होता, बल्कि वह भारतीय संस्कृति से जुड़ने का एक सच्चा प्रयास कर रहा होता है। यही प्रयास रिशतों की नींव को मजबूत बनाता है। भाषा सीखना रिशतों में अपनापन और विश्वास को भी बढ़ाता है। जब हम किसी से उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह अपनेपन का एक विशेष अनुभव करता है। यह छोटी-सी कोशिश भी सामने वाले के दिल को छू जाती है और संबंधों में गहराई लाती है। परिवारों में भी, जहां

नई पीढ़ी अपनी जड़ों और भाषाओं से दूर होती जा रही है, भाषा उन्हें फिर से अपनी पहचान से जोड़ने का एक सशक्त साधन बन सकती है। डिजिटल युग ने भाषा सीखने की प्रक्रिया को और भी आसान और सुलभ बना दिया है। आज ऑनलाइन कक्षाओं, संवादात्मक सत्रों और व्यक्तिगत मार्गदर्शन के माध्यम से लोग दुनिया के किसी भी कोने से अपनी पसंद की भाषा सीख रहे हैं। ऐसे प्रयास न केवल भाषा सिखाते हैं, बल्कि एक आत्मीय जुड़ाव भी स्थापित करते हैं, जहां शिक्षक और विद्यार्थी के बीच केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि संस्कृति और अनुभवों का आदान-प्रदान भी होता है। इसी दिशा में लर्न विद मानवी जैसे प्रयास यह दर्शाते हैं कि भाषा सिखाना केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि एक अनुभव साझा करना है। यहां हिंदी और पंजाबी को सरल, संवादात्मक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण के साथ

सिखाया जाता है, जिससे विद्यार्थी न केवल भाषा सीखते हैं, बल्कि उससे भावनात्मक रूप से भी जुड़ते हैं। इस तरह के प्रयास यह साबित करते हैं कि सही मार्गदर्शन और स्नेहपूर्ण वातावरण में भाषा सीखना एक सुखद और यादगार यात्रा बन सकता है। आज कई शिक्षक इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, जो हिंदी और पंजाबी जैसी भाषाओं को केवल विषय के रूप में नहीं, बल्कि एक अनुभव के रूप में सिखा रहे हैं। अंततः यह कहा जा सकता है कि भाषा सीखना केवल एक कौशल नहीं, बल्कि एक ऐसा अनमोल सेतु है जो दिलों को जोड़ता है, दूरियों को मिटाता है और इंसान को इंसान से करीब लाता है। जब हम भाषा सीखते हैं, तो हम केवल संवाद नहीं करते, बल्कि हम रिशतों को बुनते हैं, समझ को बढ़ाते हैं और एक बेहतर, अधिक जुड़ी हुई दुनिया की ओर कदम बढ़ाते हैं।

कनाडा क्रिकेट विवादों के घेरे में, कप्तानी और चयन पर सवाल

एजेंसी | वैंकूवर

कनाडा क्रिकेट इन दिनों एक बड़े विवाद के केंद्र में है, जहां खेल से इतर गंभीर आरोपों ने उसकी साख को झकझोर दिया है। टीम चयन, कप्तानी और प्रशासनिक फैसलों पर बाहरी दबाव और धमकियों का असर हो सकता है। इन दावों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इससे जुड़े घटनाक्रम ने क्रिकेट जगत में चिंता बढ़ा दी है। इस पूरे विवाद के केंद्र में कनाडा की राष्ट्रीय टीम के भारतीय मूल के कप्तान दिलप्रीत सिंह बाजवा हैं, जिनकी नियुक्ति को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट्स में आरोप लगाया गया है कि उनकी कप्तानी के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गैंग का प्रभाव हो सकता है। दावा किया गया है कि इस गैंग ने टीम के कुछ खिलाड़ियों पर दबाव बनाया, ताकि वे दिलप्रीत बाजवा का समर्थन करें। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

बताया जा रहा है कि कुछ खिलाड़ियों को सीधे तौर पर धमकियां दी गईं। एक घटना में दो लोगों ने खुद को गैंग से जुड़ा बताकर कनाडा टीम के एक खिलाड़ी को रेस्तरां में अलग ले जाकर चेतावनी दी। सुरक्षा कारणों से उस खिलाड़ी की पहचान गुप्त रखी गई है। सूत्रों के अनुसार, उससे कहा गया कि वह दिलप्रीत बाजवा और एक अन्य खिलाड़ी को टीम में बनाए रखने में मदद करें, अन्यथा उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। एक अन्य व्यक्ति को संदेश भेजकर यह भी कहा गया कि 'हम जानते हैं तुम कहां रहते हो', जिससे टीम के भीतर भय का माहौल बनने की बात सामने आई है। दिलप्रीत बाजवा की कप्तानी रहले से ही विवादों में रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व कप से ठीक पहले अनुभवी ऑलराउंडर निकोलस किटन को कप्तान बनाए जाने की संभावना थी, लेकिन अचानक नेतृत्व परिवर्तन ने कई सवाल खड़े कर दिए।

